Roll No. ……..

CHBC–104

सौन्दर्यवर्धक सामान्य योगों की निर्माण एवं उपयोग विधि

Certificate in Herbal Beauty Care (CHBC–12/16)

Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 35**

नोट : यह प्रश्न पत्र पैंतीस (35) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े सात $7\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

   (अ) केसर

   (ब) हरिद्रा

   (स) प्रियंगु

2. क्षुद्र रोगों से आप क्या समझते हैं ? किन्हीं तीन क्षुद्र रोगों का वर्णन कीजिए।
3. वात, पित्त एवं कफ प्रधान त्वचा के लक्षण स्पष्ट करते हुए देह-दुर्गन्धनाशक लेप एवं कान्तिप्रद-रक्तचन्दनादि लेप का वर्णन कीजिए।
4. सौन्दर्यवर्धक तेलों पर लेख लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए ढाई $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) ताम्बूल सेवन
   (ब) नेत्रसौन्दर्य
   (स) अलस
2. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) दारूणक
   (ब) सरिवा
   (स) विवृता
3. युवान पीड़िका एवं नीलिका को स्पष्ट करते हुए चिकित्सा का वर्णन कीजिए।
4. पनसिका एवं कच्छपिका का वर्णन कीजिए।

5. पामा एवं पाददारी का वर्णन कीजिए।
6. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) हरिद्रा
   (ब) एलोवेरा
   (स) मंजिष्ठा
7. सौन्दर्य प्रसाधन कक्ष में उपयोग होने वाली सामग्री का वर्णन कीजिए।
8. विचर्चिका को स्पष्ट करते हुए उसकी चिकित्सा को समझाइये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा $\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिए :

1. मुख तथा शरीर के अन्य भागों पर काले रंग के पीड़ारहित मण्डल को कहते हैं :
   (अ) पालित्य
   (ब) नीलिका
   (स) पाददारी
   (द) दारूणक
2. शरिवा के प्रकार होते हैं :
   (अ) 2
   (ब) 4
   (स) 3
   (द) 5

3. उशीर का क्षुप (पौधा) होता है :

(अ) 2-5 फीट ऊँचा

(ब) 5-10 फीट ऊँचा

(स) 15-25 फीट ऊँचा

(द) 50-75 फीट ऊँचा

4. दारूणक में दोष होते हैं :

(अ) पित्त और कफ

(ब) कफ और वात

(स) वात और पित्त

(द) त्रिदोष

5. चिप्प में दोष होते हैं :

(अ) वात और पित्त

(ब) वात और कफ

(स) पित्त और कफ

(द) त्रिदोष

सत्य/असत्य छाँटिये :

6. मंजिष्ठा रक्त को अशुद्ध करता है। (सत्य/असत्य)

7. अजवायन का पौधा 1 से 3 फीट तक ऊँचा होता है। (सत्य/असत्य)

8. भृंगराज की 3 जातियाँ मिलती हैं। (सत्य/असत्य)

9. पाददारी कैल्सियम की अधिकता से होने वाला रोग है। (सत्य/असत्य)

10. सेब ठंडी तासीर वाला फल है। (सत्य/असत्य)